



शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओड़िशा रोड, रायगढ़

**SYLLABUS**

संशोधित पाठ्यक्रम

**बी.ए./बी.एस-सी./बी.कॉम./बी.एच.एस.-सी.**

**भाग – दो, आधार पाठ्यक्रम**

**प्रश्न पत्र – प्रथम (हिन्दी भाषा.) (पेपर कोड – 0171)**

**पूर्णांक – 75**

**खण्ड – क** निम्नलिखित 5 लेखकों के पाठ शामिल होंगे – **अंक-35**

- |                        |   |                          |
|------------------------|---|--------------------------|
| 1. महात्मा गांधी       | – | चोरी और प्रायश्चित       |
| 2. आचार्य नरेंद्र देव  | – | युवकों का समाज में स्थान |
| 3. वासुदेव शरण अग्रवाल | – | मातृभूमि                 |
| 4. हरि ठाकुर           | – | डॉ. खूबचंद बघेल          |
| 5. पं. माधवराव सप्रे   | – | सम्भाषण- कुशलता          |

**खण्ड-ख** हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप **अंक-16**

1. कार्यालयीन भाषा
2. मीडिया की भाषा
3. वित्त एवं वाणिज्य की भाषा
4. मशीनी भाषा

**खण्ड-ग** हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ **अंक-24**

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण,  
समास, संधि एवं संक्षिप्तियां  
अनुवाद व्यवहार : अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद

**इकाई विभाजन-**

**इकाई- 1** चोरी और प्रायश्चित : महात्मा गांधी / कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा

**इकाई- 2** युवकों का समाज में स्थान : आचार्य नरेन्द्र देव / वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, मशीनी भाषा

**इकाई- 3** मातृभूमि: वासुदेवशरण अग्रवाल / संज्ञा सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण

**इकाई- 4** डॉ. खूबचंद बघेल : हरि ठाकुर/समास, संधि,

सम्भाषण-कुशलता : पं. माधवराव सप्रे, / अनुवाद – अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद, संक्षिप्तियाँ

**यांकन योजना –**

प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे। प्रत्येक इकाई को दो-दो खण्डों (कमश' 'क' और 'ख' में) विभक्त करते हुए निर्धारित पाठ से 8 एवं शेष पाठ्य सामग्री से 7 अंक के प्रश्न होंगे। इस प्रकार पूरे प्रश्न-पत्र के पूर्णांक 75 होंगे।

**पाठ्यक्रम संशोधन का औचित्य** विद्यार्थी चर्चित एवं सुप्रसिद्ध व्यक्तियों के लेख के माध्यम से समाज एवं राष्ट्रहित के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास विषयक मुद्दों से परिचित हो सके तथा व्याकरणिक एवं भाषा विषयक प्रस्तावित पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी भाषा संबंधित प्रयोग पक्ष से परिचित होते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से ज्ञानार्जन कर सके।